आरती नैना देवी जी की

तेरा अद्भुत रूप निराला, आजा! मेरी नैना माई ए ।
तुझपै तन मन धन सब वारूं, आजा मेरी नैना माई ए ।
सुन्दर भवन बनाया तेरा, तेरी शोभा न्यारी ।
नीके नीके खम्भे लागे, अद्भुत चित्तर कारी ।
तेरा रंग बिरंगा द्वारा ।। आजा...
झांझा और मिरदंग बाजे और बाजे शहनाई ।
तुरई नगाड़ा ढोलक बाजे, तबला शब्द सुनाई ।
तेरे द्वारे नौबत बाजे ।। आजा...
पीला चोला जरद किनारी, लाल ध्वजा फहराये ।
सिर लालों दा मुकुट विराजे. निगाह नहीं ठहराये ।
तेरा रूप न वरना जाए ।। आजा...
पान सुपारी ध्वजा, नारियल भेंट तिहारी लागे ।
बालक बूढ़े नर नारी की, भीड़ खड़ी तेरे आगे ।
तेरी जय जयकार मनावे ।। आजा...
कोई गाये कोई बजाये, कोई ध्यान लगाये ।
कोई बैठा तेरे आंगन में, नाम की टेर सुनाये ।
कोई नृत्य करे तेरे आगे ।। आजा...
कोई मांगे बेटा बेटी, किसी को कंचन माया ।
कोई मांगे जीवन, कोई सुन्दर काया ।
भक्त कृपा तेरी मांगे ।। आजा...

विवरण

हे नैना मइया ! आपका मन्दिर अत्यन्त सुन्दर बना हुआ है, उसमें अच्छे-अच्छे खम्भे लगे हुए हैं तथा रंग-बिरंगे द्वार सजे हुए है, जिससे आपके मन्दिर की शोभा बड़ी ही प्यारी लग रही है, आपका रूप अत्यन्त विलक्षण है, हम आप पर
अपना तन-मन-धन सबकुछ न्योछावर करते हैं ।

हे नैना देवी ! आपके दरबार में झांझा, मृदंग और शहनाई बज रहे हैं तथा तुरई, नगाड़ा, ढ़ोलक, तबला एवं नौबत, सभी प्रकार के बाज्य यंत्र बज रहे हैं । आपके अंग पर पीले रंग की चुनरी शोभित हो रहा है जिसके किनारे जड़ें हुए हैं तथा आपके मन्दिर के ऊपर लाल ध्वजा फहरा रहा है ।

आपके सिर पर लाल मुकुट विराजमान है, जिसकी शोभा एवं चकाचौंध से हमारी आँखे उस पर टिक नहीं पाती हैं । पान, सुपारी, ध्वजा एवं नारियल लेकर, बालक, बूढ़े, स्त्री एवं पुरूष, सबों की आपके दरबार में भीड़ इकट्ठी हुई है,
आपको भेंट चढ़ाने के लिए ।

आपके मन्दिर के आँगन में बैठकर आपके प्रेम में भाव-विभोर होकर कोई गा रहा है, तो कोई बजा रहा है, कोई आपके पूजा-ध्यान में मग्न है, तो कोई
आपके नाम का ऊँचे आवाज में उच्चारण कर रहा है या कोई नृत्य कर रहा है एवं आपका अनूठा स्प देखने के लिए बुला रहा है ।

कोई आपसे बेटा-बेटी माँग रहा है तो कोई स्प में आपसे माया ही माँग रहा है, कोई अपने लिए जीवन संगी माँग रहा है तो कोई अपने सुन्दर हृदय की ही भीख माँग रहा है, जिसमें वह आपकी भक्ति का दीपक जला सके । हे मइया ! सभी भक्त आपकी दया और कृपा की भीख माँग रहे हैं, आप अपने विलक्षण स्प का दर्शन देने आ जाओ ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.